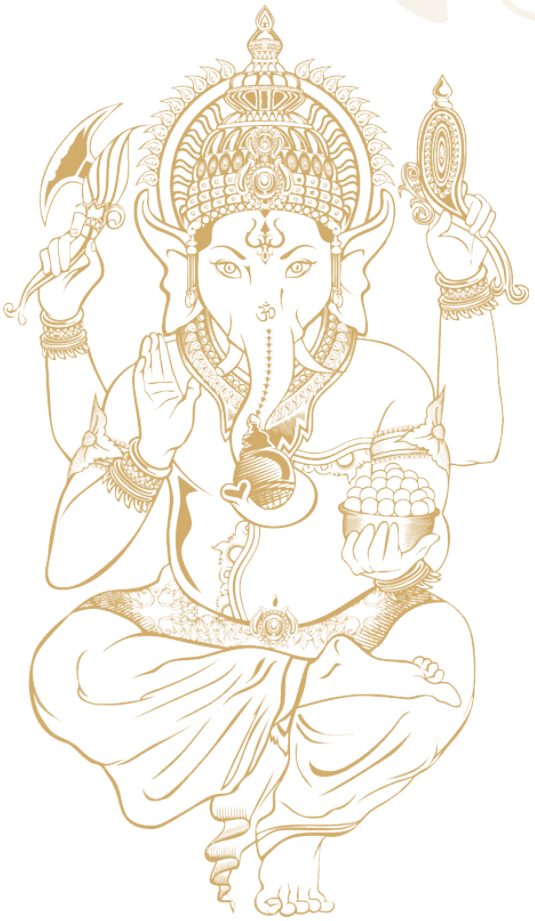

Nikesh

Shailja

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121521402

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
12/09/1989	जन्म तिथि	22/06/1992
मंगलवार	दिन	सोमवार
घंटे 19:00:00	जन्म समय	16:45:00 घंटे
घटी 31:35:24	जन्म समय(घटी)	27:27:36 घटी
India	देश	India
Jodhpur	स्थान	Udaipur
26:18:00 उत्तर	अक्षांश	24:30:00 उत्तर
73:08:00 पूर्व	रेखांश	75:50:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:37:28	स्थानिक संस्कार	-00:26:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:21:50	सूर्योदय	05:39:09
18:45:16	सूर्यास्त	19:18:10
23:42:58	चित्रपक्षीय अयनांश	23:45:24

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
चन्द्र 5वर्ष 3मा 3दि	02:21:21	मीन	लग्न	वृश्चि	04:31:52	गुरु 6वर्ष 8मा 9दि
गुरु	26:02:46	सिंह	सूर्य	मिथु	07:30:57	बुध
17/12/2019	16:19:11	मक	चंद्र	कुंभ	27:45:23	02/03/2018
17/12/2035	01:44:20	कन्या	मंगल	मेष	11:58:16	03/03/2035
गुरु 03/02/2022	16:49:11	कन्या व	बुध	मिथु	29:17:00	बुध 29/07/2020
शनि 16/08/2024	13:50:29	मिथु	गुरु	सिंह	14:44:42	केतु 26/07/2021
बुध 22/11/2026	06:20:19	तुला	शुक्र	मिथु	09:55:22	शुक्र 26/05/2024
केतु 29/10/2027	13:35:12	धनु	शनि व	मक	24:14:20	सूर्य 02/04/2025
शुक्र 29/06/2030	01:58:44	कुंभ	राहु व	धनु	06:55:22	चन्द्र 01/09/2026
सूर्य 17/04/2031	01:58:44	सिंह	केतु व	मिथु	06:55:22	मंगल 29/08/2027
चन्द्र 16/08/2032	07:37:27	धनु	हर्ष व	धनु	22:53:20	राहु 18/03/2030
मंगल 23/07/2033	15:54:49	धनु व	नेप व	धनु	24:16:09	गुरु 22/06/2032
राहु 17/12/2035	19:23:00	तुला	प्लूटो व	तुला	26:46:52	शनि 03/03/2035

लग्न-चलित

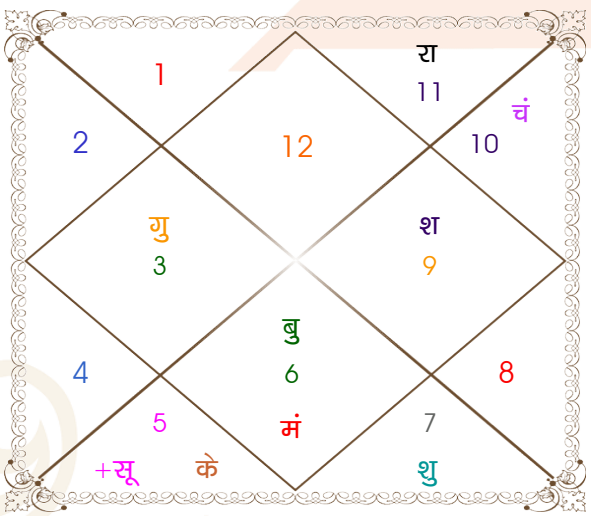

लग्न-चलित

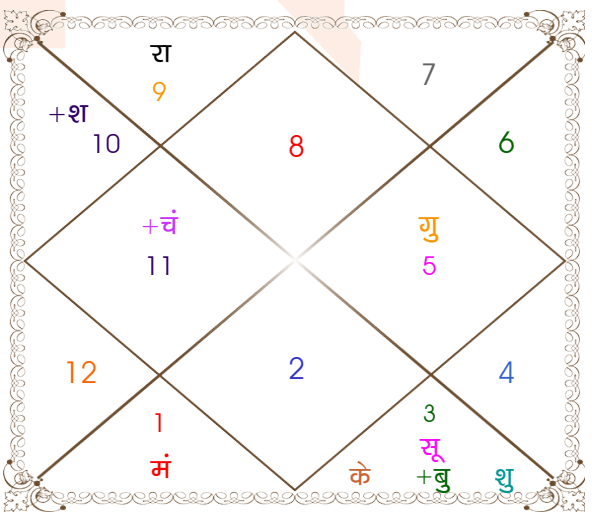

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	सिंह	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	कुम्भ	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Nikesh का वर्ग मार्जार है तथा Shailja का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Nikesh और Shailja का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Nikesh मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

Shailja मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Shailja कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Nikesh तथा Shailja में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

+91 9351141151
pt.jmjoshi@gmail.com